480

MASA-01

June - Examination 2019

M.A. (Previous) Sanskrit Examination

वैदिक साहित्य एवं तुलनात्मक भाषाविज्ञान

Paper - MASA-01

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 80**

Note: The question paper is divided into three sections A, B and C. Write answers as per the given instructions.

निर्देश : यह प्रश्न पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

Section - A $8 \times 2 = 16$

(Very Short Answer Questions)

Note: Answer **all** questions. As per the nature of the question delimit your answer in one word, one sentence or maximum up to 30 words. Each question carries 2 marks.

खण्ड – 'अ'

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1) (i) सामवेद की कितनी शाखायें उपलब्ध हैं? नाम लिखिए?

(ii) दीर्घतमा किस सूक्त के ऋषि हैं?

(iii) अस्यवामीय सूक्त किस वेद से सम्बद्ध है?

(iv) पुरुष सूक्त के अनुसार चन्द्रमा एवं सूर्य की उत्पत्ति विराट् पुरुष के किस अंग से मानी गईं है?

(v) निरुक्त के अनुसार ''पुरुष'' शब्द की व्युत्पत्ति लिखिए?

(vi) निरुक्त कितने काण्डों में विभक्त है? नाम लिखिए?

(vii) ''एटमालोजी आफ यास्क'' पुस्तक के लेखक कौन हैं?

(viii) सम्राट अशोक के अभिलेख किस लिपि में लिखे गये हैं?

Section - B $4 \times 8 = 32$

(Short Answer Questions)

Note: Answer **any four** questions. Each answer should not exceed 200 words. Each question carries 8 marks.

खण्ड – ब

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 200 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 8 अंकों का है।

2) निम्न में से किसी एक मन्त्र का पदपाठ एवं अन्वय सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए।

(अ) यः पृथिवीं व्यथमानामां दृंहद्,

यः पर्वतान्प्रकुपितां अरम्णात्।

यो अन्तरिक्ष विममे वरीयो।

यो द्यामस्तभ्नात् जनासः इन्द्रः ।।

अथवा

(ब) नासदासीन्नो सदासीत्तदानीं, नासीद्रजो नो व्योमा परो यत्।

किमावरीवः कुह कस्य शर्मन्नम्भ, किमांसीद्गहनं गभीरम्।।

3) निम्न में से किसी एक मन्त्र की सान्वय व्याख्या संस्कृतभाषा में कीजिए–

(अ) न मा मिमेथ न जिहीळ एषा शिवा सखिभ्य उत् मह्यमासीत्।

अक्षस्याहमेकपरस्य हेतोरनुव्रतामप जायामरोधम्।।

अथवा

(ब) सहस्रशीर्षा पुरुषः सहस्राक्षः सहस्रपात्।

स भूमिं विश्वतो वृत्वाऽत्यातिष्ठद्दशाङ्गुलम्।।

4) वाक् सूक्त पर संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए।

5) उपनिषद् किसे कहा जाता है? यजुर्वेद से सम्बद्ध उपनिषदों का उल्लेख कीजिए।

6) अध्वर्यु शब्द का निरुक्त के आधार पर निर्वचन कीजिए?

7) निपात किसे कहते है? निपात के भेदों को स्पष्ट कीजिए?

8) कल्प वेदांग को स्पष्ट कीजिए?

9) लिपि के विकास क्रम के सोपान त्रय को स्पष्ट कीजिए?

Section - C $2 \times 16 = 32$

(Long Answer Questions)

Note: Answer **any two** questions. You have to delimit your each answer maximum up to 500 words. Each question carries 16 marks.

खण्ड – स

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 500 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 16 अंकों का है।

10) ''मन्त्रा: सार्थका: निरर्थका: वा'' उक्त पंक्ति के प्रकाश में यास्क के अनुसार मन्त्रों की सार्थकता का वर्णन कीजिए?

11) भारतीय आचार्यों के अनुसार भाषा किसे कहते हैं? भाषा की उत्पत्ति के विविध सिद्धान्तों का नामोल्लेख करते हुए दैवीय सिद्धान्त की समीक्षा कीजिए?

12) बाह्मी लिपि क्या है? ब्राह्मी लिपि की भारतीयता के कारणों का वर्णन कीजिए?

13) भाषा विज्ञान कला है या विज्ञान इसे स्पष्ट कीजिए? भाषा विज्ञान के अध्ययन के प्रकारों का वर्णन कीजिए?